हिदा के किव स्रोर का य--- ३

हिदो प्रेमगाथाकाव्य-सग्रह

सपादम श्री गुणशायमाद द्विवेदी

श्री गुलावराय द्वारा सशोवित तथा परिवाद्धत

> १९४३ हिदुस्तानी एकेडेमी उत्तरप्रदेश, इलाहाबाद